

देहरादून और रुद्रपुर में खुलेंगे सैनिकि स्कूल

चर्चा में क्यों?

6 सितंबर, 2022 को उत्तराखंड के मुख्य सचिव डॉ.एसएस संधु की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रदेश में देहरादून और रुद्रपुर में सैनिकि स्कूल खोलने के प्रस्ताव पर मंजूरी दी गई। अब इसे मंजूरी के लिये केंद्र सरकार को भेजा जा रहा है।

प्रमुख बदि

- शक्तिषा सचिव रवनिथ रमन ने बताया कि देहरादून में राजीव गांधी नवोदय वदियालय और रुद्रपुर में एएन झा इंटर कॉलेज को सैनिकि स्कूल के रूप में चलाने का प्रस्ताव रखा गया है।
- केंद्र सरकार की ओर से देश भर में 100 सैनिकि स्कूल खोले जाने का नरिणय लया गया है। इसके लयि राज्यों से मानकों को पूरा करने वाले स्कूलों के प्रस्ताव मांगे गए थे।
- उत्तराखंड में राजीव गांधी नवोदय वदियालय, देहरादून और एएन झा इंटर कॉलेज, रुद्रपुर सैनिकि स्कूल के लयि तकरीबन सभी मानकों को पूरा कर रहे हैं। दोनों का प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को भेजा जा रहा है। प्रस्ताव भेजे जाने के बाद केंद्र की टीम संबधति स्कूलों का नरीक्षण करेगी।
- गौरतलब है कि प्रदेश में अभी मात्र एक सैनिकि स्कूल घोड़ाखाल में है, जसिका पूरा संचालन रक्षा मंत्रालय करता है। हालाँकि रुद्रपुरयाग ज़िले के जखोली में भी सैनिकि स्कूल खोलने की कवायद पछिले कई साल से चल रही है। इस स्कूल को मंजूरी भी मलि गई थी, लेकनि सैनिकि कल्याण और शक्तिषा वभिाग के बीच तालमेल की कमी के चलते इस स्कूल के भवन नरिमाण का मामला पछिले काफी समय से रुका हुआ है।
- रक्षा मंत्रालय ने शैक्षणिकि सत्र 2022-23 के लयि देशभर के जनि 21 नए सैनिकि स्कूलों को खोलने की मंजूरी दी थी, उनमें देहरादून के भाऊवाला में स्थति जीआरडी वरल्ड स्कूल भी शामिल था, लेकनि स्कूल की मान्यता संबधी शकियायत पर इसमें प्रवेश को स्थगति रखा गया है।
- सैनिकि स्कूल खोलने के लयि मानकों को लेकर स्थति स्पष्ट न होने से प्रदेश से प्रस्ताव भेजने में देरी हुई। पहले यह बताया गया कि इसके लयि 25 एकड़ भूमिकी ज़रूरत होगी, लेकनि बाद में पता चला कि आठ एकड़ भूमि में भी सैनिकि स्कूल खुल सकता है। स्थति स्पष्ट होने के बाद वभिाग की ओर से इसका प्रस्ताव तैयार कया गया।
- प्रदेश में सैनिकि स्कूल खोलने के लयि केंद्र सरकार की ओर से अनुदान दया जाएगा। इससे ज़रूरी संसाधन जुटाए जा सकेंगे। हालाँकि, वभिागीय अधिकारियों का कहना है कि चयनति कयि गए दोनों स्कूल सैनिकि स्कूल के सभी मानकों को पूरा करते हैं।